१. डुबा दो अहंकार

– *रवींद्रनाथ टैगोर*

मेरा शीश नवा दो अपनी
चरण धूल के तल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।
अपने को गौरव देने हित
अपमानित करता अपने को,
घेर स्वयं को घूम-घूमकर
मरता हूँ पल-पल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।

अपने कामों में न करूँ मैं
आत्मप्रचार प्रभो;
अपनी ही इच्छा मेरे
जीवन में पूर्ण करो ।
मुझको अपनी चरम शांति दो
प्राणों में वह परम कांति हो
आप खड़े हो मुझे ओट दें
हृदयकमल के दल में ।
देव ! डुबा दो अहंकार सब
मेरे आँसू जल में ।

—— ० ——

परिचय

जन्म : १८६१, कोलकाता (प.बं.)
मृत्यु : १९४१
परिचय : विश्व के महान साहित्यकार गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी को 'नोबल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है । आप केवल कवि ही नहीं बल्कि कथाकार, उपन्यासकार, नाटककार, निबंधकार तथा चित्रकार भी हैं । आप हमारे राष्ट्रगीत के रचयिता हैं । आपको १९१३ में 'गीतांजलि' के लिए 'नोबल पुरस्कार' भी प्राप्त हुआ है ।
प्रमुख कृतियाँ : 'बनफूल', 'कवि-कहानी', 'संध्यासंगीत', 'प्रभातसंगीत', 'छवि ओगान', 'गीतांजलि', 'वलाका','पलातका', 'वनवाणी' और 'शेषलेखा' आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में कवींद्र रवींद्रनाथ टैगोर जी ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहते हैं कि हे देव ! ऐसी शक्ति दो कि हमें किसी बात का अहंकार न हो । इस गीत में कवि हमें अहंकार, अत्याचार से बचने के लिए प्रेरित करते हैं ।

कल्पना पल्लवन

'खड़े रहो तुम अविचल होकर सब संकट-तूफानों में', इसपर अपने विचार लिखो ।

शब्द वाटिका

आत्मप्रचार = आत्मस्तुति
चरम = सर्वोच्च, पराकाष्ठा
दल = पंखुड़ी

मुहावरा

शीश नवाना = नतमस्तक होना, विनम्र होना
ओट देना = सहारा देना, आड़ देना

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :–**

(१) संजाल पूर्ण करो :

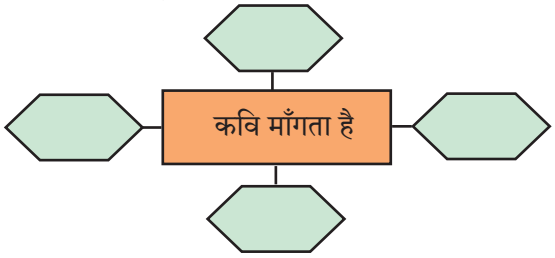

(२) ऐसे प्रश्न तैयार करो जिनके उत्तरों में निम्न शब्द हों :

१. ----------
उत्तर – हृदय कमल
२. ----------
उत्तर – परम कांति
३. ----------
उत्तर – पल-पल
४. ----------
उत्तर – जीवन

(३) जोड़ियाँ मिलाओ :

अ	उत्तर	ब
चरम	-------	जल
हृदयकमल	-------	शांति
परम	-------	दल
आँसू	-------	कांति

(४) प्रस्तुत गीत की किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो विनम्रता मानव का श्रेष्ठ आभूषण है ।

भाषा बिंदु कविता में आए किन्हीं दस शब्दों के पर्यायवाची तथा विलोमार्थी शब्द लिखो ।

MDMMY1

उपयोजित लेखन निम्नलिखित शब्दों के आधार पर कहानी लिखो और उचित शीर्षक दो :
बोतल, किनारा, कंगन, कागज

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन अपने विद्यालय के दैनिक प्रार्थना गीत, प्रतिज्ञा, संविधान की उद्देशिका को चार्ट पेपर पर लिखकर कक्षा में लगाओ ।